वर्ष 2025 माह मई अंक 41

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति

बालमन

नि:शुल्क बालमन को पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें या क्लिक करे

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

माँ इस दुनिया की सबसे अनमोल रचना है। सृष्टि की रचना माँ के बिना संभव ही नहीं। बच्चों हम सभी को अपनी माँ का सम्मान करना चाहिए। जन्म से लेकर हमेशा माता अपने बच्चों का पूरा ख्याल रखती है।कुछ इसी तरह प्रकृति भी हमारी माँ है। हमे पेड़ लगाते हुए प्रकृति को संरक्षित रखना है।बच्चों अभी बढ़ती गर्मी में विद्यालय में आते समय तो ठीक है पर जाते समय बहुत तेज धूप और गर्म हवा हमें प्रभावित कर सकती हैं।सभी बच्चों से अनुरोध होगा कि अपने साथ पानी का बोतल और गमछी/ तौलिया जरूर साथ रखे। आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है। बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए। हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

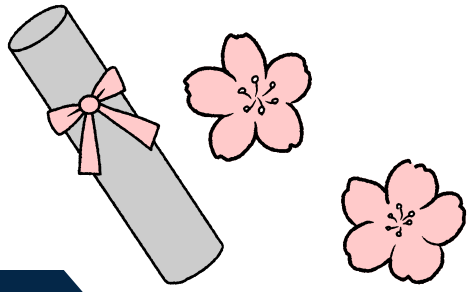

शुभकामनाओं सहित
धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ, कैमूर (बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, उ. म. वि. सिलौटा, भभुआ कैमूर (बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4. दीपिका श्रीवास्तव एवं राघवेंद्र चंद्रा (छत्तीसगढ़)
5. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)
6.सुमन रानी(उत्तराखंड)

राज्य समन्वयक समिति

1. कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)
2. राजेश कुमार सिंह,महाबल भृगनाथ +2उच्च विद्यालय कोरीगांवा बहेरा, भभुआ (कैमूर)
3. राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)
4. पुनीता कुमारी, रा.म.वि. नेउरी, बरौली, (गोपालगंज)
5. पुष्पा प्रसाद, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)
6.रवि शर्मा,प्रा.विद्यालय भैसहिया,रामनगर(पश्चिम चंपारण)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक. टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, TOB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार	01
2. प्रेरक प्रसंग	02
3. मन की बात	04
4.अंतर खोजें	05
5.डॉट्स मिलाओ	08
6. स्वास्थ्य सुझाव	10
7.रास्ता खोजें	16
8. इंग्लिश कॉर्नर	18
9. साइबर मंत्र	20
10. हंसी के हंसगुल्ले	27
11. बालमन कहानी	27
12. रोचक गणित	31
13.खेल कॉर्नर	36
14. दर्शनीय स्थल	37
15.गुणकारी सब्जी	39
16.मदर्स डे स्पेशल	40,43
17.कहना जरूरी हैं	41
18.क्विज टाइम	44
19. बालमन क्रॉसवर्ड	45
20.बूझो तो जानें	48
21. विज्ञान कॉर्नर	51
22.अतीत के पन्नों से	54
23.भारत माता मन्दिर	62

बालमन

अनमोल विचार

शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिकता और सामाजिक मूल्यों का विकास करना भी है।

जन्म
08 फरवरी
1897

मृत्यु
03 मई
1969

डॉ. ज़ाकिर हुसैन
(भारत के पूर्व राष्ट्रपति)

प्रेरक प्रसंग

॥ गलती या हालात ॥

एक किसान के खेत में एक चिड़िया का परिवार रहता था। काफी दिनों से चिड़िया का परिवार सुखी सुखी जीवन व्यतीत कर रहा था। इधर गेहूं की फसल पक चुकी थी। किसान अपने बेटे के साथ अपने खेत पर आया और दोनों में चर्चा होने लगी कि यह गेहूं की फसल पक चुकी है। इसको अभी काटना है, नहीं तो यह खेत में ही खत्म हो जाएगी। कल मजदूर लेकर आते हैं और गेहूं को काटते हैं।

यह सभी बातें चिड़िया और चिड़िया का परिवार सुन रहा था। किसान और उसके बेटे के जाने के बाद चिड़िया ने अपने परिवार के साथ फैसला किया कि हम यहां से उड़कर किसी दूसरी जगह पर जाकर अपना घोंसला /घर बनाएंगे और वह चिड़िया अपने परिवार को लेकर सुरक्षित जगह के लिए निकल जाती है कि रास्ते में उसे एक नदी के किनारे पर दो पेड़ दिखाई देते हैं तो चिड़िया एक पेड़ से पूछती है कि मैं परिवार सहित आपके ऊपर घोसला बनाकर रह सकती हूं। वह पेड़ थोड़ी देर चुप रहा और कुछ देर के बाद उस पेड़ ने मना कर दिया। वह चिड़िया उस पेड़ की बात सुनकर मुंह को सिकोड़ते हुए आगे जाती है तो दूसरा पेड़ मिलता है। चिड़िया उस पेड़ से भी वही पूछती है कि मैं अपने परिवार सहित आपके ऊपर घोंसला बनाकर रह सकती हूं। वह पेड़ खुशी खुशी से हां कर देता है और वह चिड़िया अपने परिवार सहित घोंसला बनाकर रहने लगती है।

कुछ दिनों के बाद बरसात का मौसम आता है और बरसात के मौसम में बहुत तेज बारिश होती है। उस बारिश में वह पहला वाला पेड़ उखड़ जाता है और उस नदी के वहाब में उस पेड़ के सामने से गुजरता है। तभी वह चिड़िया उस पेड़ से कहती है कि मैंने कुछ दिन पहले तुमसे कहा था कि मैं परिवार सहित अपना घोंसला बनाकर रहने के लिए और आपने मना कर दिया था। आज तुम्हारी देखो क्या हालत हो गई है कि तुम बहकर नदी में जा रहे हो। उस पर बहते हुए पेड़ ने कहा चिड़िया बहन मुझे पहले से ही पता था कि मेरी जड़ें कमजोर हो चुकी है और मैं इस बारिश में टिक नहीं पाऊंगा और मेरे साथ तुम्हारी भी यही दशा होनी थी इसलिए तुम्हें मैंने मना कर दिया था। आज मैं तो बह कर जा रहा हूं लेकिन आप तो सुरक्षित है।

बालमन

पद्य पंकज

नहीं मांगता, प्रभु, विपत्ति से,
मुझे बचाओ, त्राण करो विपदा
में निर्भीक रहूँ मैं, इतना, हे
भगवान, करो।

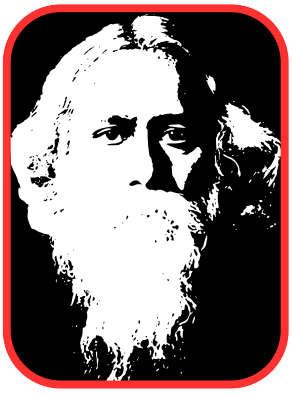

रवीन्द्रनाथ टैगोर

जन्म : 07 मई 1861

मृत्यु : 07 अगस्त 1941

ToB बालमन पत्रिका बच्चों की दुनिया,रंगीन और खुशियों से भरी है । बालमन पत्रिका उनके सपनो को पंख देती है ,कहानियों ,कविताओं और चित्रों की दुनिया बच्चों के मन को रौशन करती है ।बालमन पत्रिका बच्चों के लिए एक उपहार है बालमन टीम और हमारे प्यारे धीरज सर के द्वारा।

धन्यवाद धीरज सर

सुमित कुमार (छात्र)
वर्ग 3
प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ (पटना)

बालमन

मन की बात

सुमित कुमार
(शिक्षक)
उ०म०वि० बरना कुदरा(कैमूर)

ToB बालमन एक अद्भुत पत्रिका हैं।बच्चों एवं शिक्षकों के क्रियाकलापों को समाहित कर उनके प्रतिभा को और ऊर्जावान बनाने वाली इस पत्रिका के संपादक समुह को मेरे तरफ से बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार।

बालमन

अन्तर खोजें

30 सेकंड में 5 अन्तर खोजें

सही उत्तर:
1.भवन के ऊपर तिरंगा झंडा लगा है।
2.हवाई जहाज का स्थान बदल गया है।
3.भवन के नीचे पौधा हरा की जगह भूरा हो गया है।
4. बच्चे के पेंट का रंग बदल गया है।
5.गेंद का स्थान पैर के पास से बदल गया है।
6.रेलिंग पर टिड्डा बैठा हुआ है।
7.फूल के पास तितली उड़ रही है।
8.इंग्लिश में रेलिंग पर टीचर्स ऑफ बिहार लिखा है।

चलो घूमते हैं ...

अमरेंद्र कुमार

बृहदेश्वर मन्दिर

यह शिव मंदिर तमिलनाडु के थंजावुर में लगभग 10,24,00 वर्गमीटर के क्षेत्र में स्थित है. इसके सबसे बड़े स्तम्भ 'विमानम' की ऊँचाई 198 फ़ीट है जो कि विश्व की सबसे ऊँची मानव निर्मित मीनारों में से एक है. इसके साथ ही यहाँ और भी कई ऊँचे व बड़े स्तम्भ बने हुए हैं.

भीमबेटका शैलाश्रय

भीमबेटका (भीमबैठका) भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। यह आदि-मानव द्वारा बनाये गए शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिए प्रसिद्ध है। इन चित्रों को पुरापाषाण काल से मध्यपाषाण काल के समय का माना जाता है। ये चित्र भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न हैं। यह स्थल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से ४५ किमी दक्षिणपूर्व में स्थित है। इनकी खोज वर्ष १९५७-१९५८ में डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी।

भीमबेटका क्षेत्र को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल मंडल ने अगस्त १९९० में राष्ट्रीय महत्त्व का स्थल घोषित किया। इसके बाद जुलाई २००३ में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

बालमन

रोचक तथ्य

राकेश कुमार

दुनिया का सबसे बड़ा स्कूल भारत में है – लखनऊ का सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, जहां एक लाख से ज़्यादा छात्र पढ़ते हैं। इसे गिनीज बुक में भी जगह मिली है।

स्विट्ज़रलैंड में एक अनोखी ट्रेन है जो लगभग 90 डिग्री के तीव्र कोण पर चढ़ाई करती है। यह ट्रेन शानदार इंजीनियरिंग का उदाहरण है और पहाड़ों को पार करते हुए लगभग 3000 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचती है।

ऑस्ट्रेलिया में 11,000 से अधिक समुद्र तट हैं, यानी यदि आप हर दिन एक नए समुद्र तट पर जाएँ, तो सभी समुद्र तटों को देखने में लगभग 32 साल लग जाएंगे।

अरुणाचल प्रदेश में बना हॉलोंगी एयरपोर्ट का नया टर्मिनल पूरी तरह से बांस से बना है। यह दुनिया का पहला इको-फ्रेंडली बांस टर्मिनल है, जो स्थानीय संसाधनों से पर्यावरण का सम्मान करता है।

ToB बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

आप कौन सा चित्र पाते है?

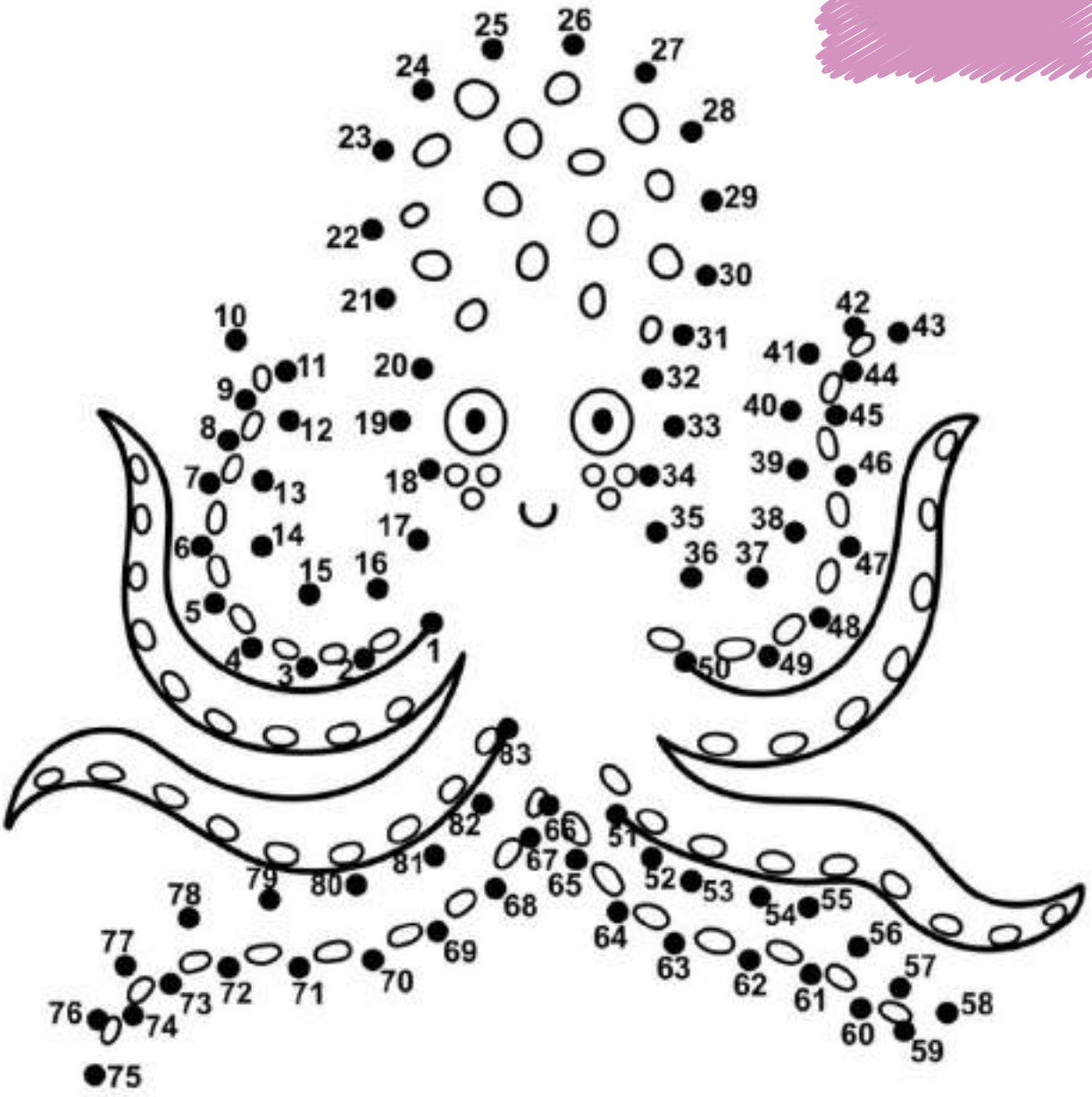

सही उत्तर: ऑक्टोपस

नन्हें कलाकार

भाग 1

D.N.S.M.S. मकराइन
डेहरी (रोहतास)

चंदा कुमारी
वर्ग - VIII
मध्य विद्यालय बलुआ
मनेर (पटना)

मध्य विद्यालय ओदार,भभुआ (कैमूर)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ(कैमूर)
250 ग्राम मिठाई के डिब्बे से बनाया गया।

प्राथमिक विद्यालय झनकी
घोसवरी,पटना

आलू पर कलाकारी प्राथमिक विद्यालय
जगरिया, चैनपुर(कैमूर)

बालमन पत्रिका गुजरात टीम
सौजन्य से : निकिता चौधरी

Health is wealth

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

गर्मी के मौसम में नींबू पानी, नारियल पानी, दही और छाछ का सेवन अच्छी मात्रा में करना चाहिए। इस तरह के पेय पदार्थ न केवल शरीर में ठंडक पहुंचाते हैं, बल्कि शरीर में पानी की कमी भी नहीं होने देते।

नन्हें कलाकार

भाग 2

काजल कुमारी,वर्ग 5
प्राथमिक विद्यालय जगरिया , चैनपुर
कैमूर(बिहार)

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ (पटना)

प्रियांशु कुमार,वर्ग 3
मध्य विद्यालय सिंघौल,बेलागंज(गयाजी)

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर
कस्बा,पूर्णिया(बिहार)

GMPS देवाल ,चमोली (उत्तराखंड)

UMS छोटका कटरा , मोहनियां, कैमूर

Anshu kumari Class-5
P.S.HARIJAN TOLA KALGIGANJ,KAHALGAON
BHAGALPUR

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ (पटना)

Teachers of Bihar

The Change Makers

बालमन
दिशा ज्ञान

कौन दिशा किधर

आओ बच्चों तुम्हें बताएं, होती है कुल चार दिशाएं।

जिधर से निकले सूरजराम, उसको लो तुम पूरब मान।

पूरब ओर मुंह कर हो खड़े, पीठ पीछे पश्चिम पड़े।

बायां हाथ को उत्तर आए, दक्षिण दायां हाथ बताएं।

आओ बच्चों तुम्हें बताएं, होती है कुल चार दिशाएं।

पुनीता कुमारी

www.teachersofbihar.org

बालमन

नन्हें कलाकार भाग 3

प्राथमिक शाला हरदी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

पूजा कुमारी,वर्ग 7
UMS खजरा (मोहनिया)कैमूर

पंकज कुमार ,वर्ग- 8
मध्य विद्यालय बलुआ ,मनेर (पटना)

मध्य विद्यालय बेलागोपी
गायघाट (मुजफ्फरपुर)

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी
फुलवारी शरीफ (पटना)

आपकी कविता

आमवाली

आमवाली आम लाती है।
वह रोज आम बेचने आती है।

आम टोकरी में भर लाती है।
पीले पके आम मन को भाते है।

आम रसीला उनका होता है।
आम खाने में अच्छा लगता है।

मुझे आम बहुत अच्छे लगते है।
कच्चे आम की चटनी बनाकर
मजे लेकर हम खाते है।

सुमित कुमार
प्रा0 विद्यालय प्रखंड कॉलोनी
फुलवारी शरीफ पटना

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग 4

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोनडीहरा भभुआ (कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर,मोहनिया कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया चैनपुर(कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा पूर्णिया(बिहार)

सूरज कुमार,वर्ग 8
श्री देवनारायण सिंह मध्य मकराईन डेहरी (रोहतास)

नीतू कुमारी,वर्ग 6
UMS दुघरा, भभुआ (कैमूर)

बालमन

रास्ता खोजें

मिनकु खरगोश को भुख लगी है।उसे जल्दी से गाजर तक पहुंचने के लिए आप रास्ता बताने में मदद कर सकते हैं।

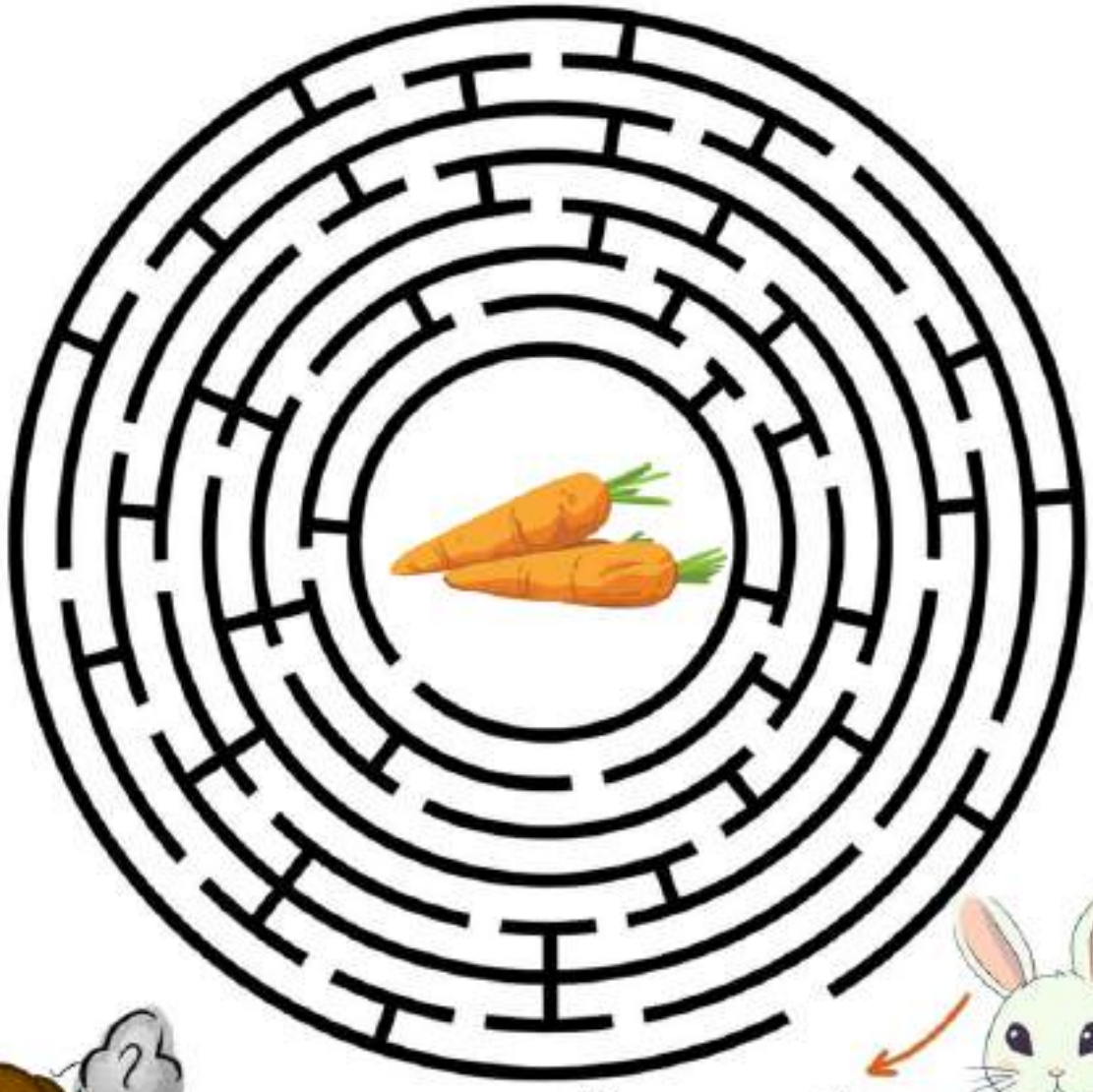

यहां से शुरुआत करे।

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग 5

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर (पटना)

U.H.S.बैजनाथ ,रामगढ़(कैमूर)

खुशी कुमारी ,वर्ग -5
मध्य विद्यालय सलथुआ, कुदरा (कैमूर)

UMS रतवार, भभुआ
कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
गोपालगंज

साजन कुमार, वर्ग 5
प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी नरपतगंज अररिया

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ
पटना

English Corner

preposition

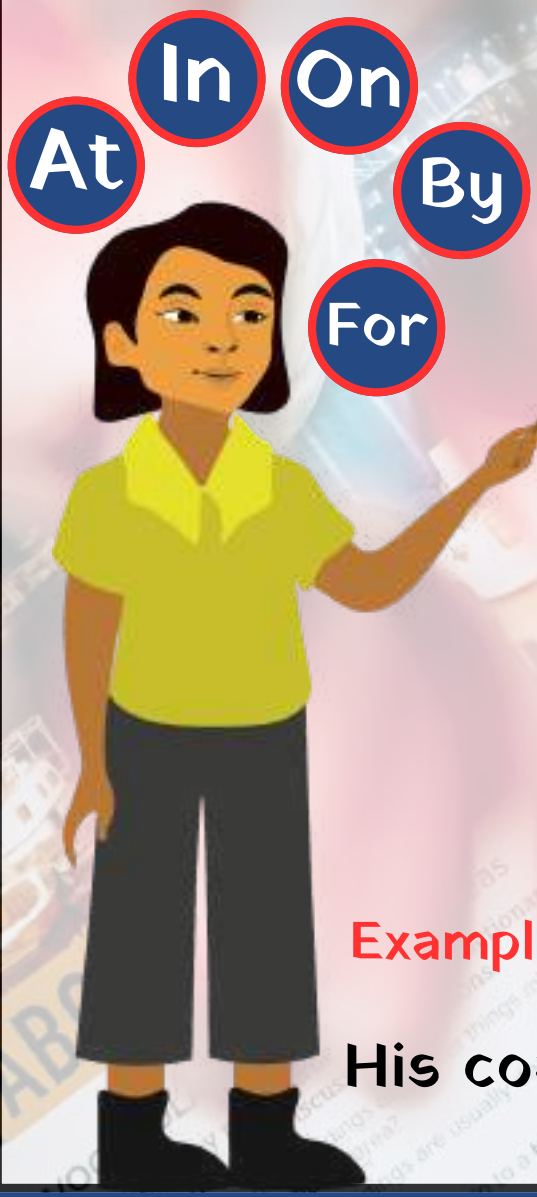

A preposition is a word that links nouns, pronouns, or phrases to other words within a sentence.

Example: John is good 'at' volleyball.

His coat was covered 'with' dirt.

DHIRAJ KUMAR

बालमन पेंटिंग
भाग 1

शाश्वती,वर्ग 4
प्रा ०वि केवट एवं तेली टोला (सुपौल)

निशा कुमारी ,वर्ग-5
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला, कलगीगंज,
कहलगाँव, भागलपुर

मध्य विद्यालय सिमराहा, फारबिसगंज(अररिया)

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

NPS कझार घाट कुदरा, कैमूर

CYBERमंत्र

साईबर शिक्षा से साईबर सुरक्षा

मधु प्रिया

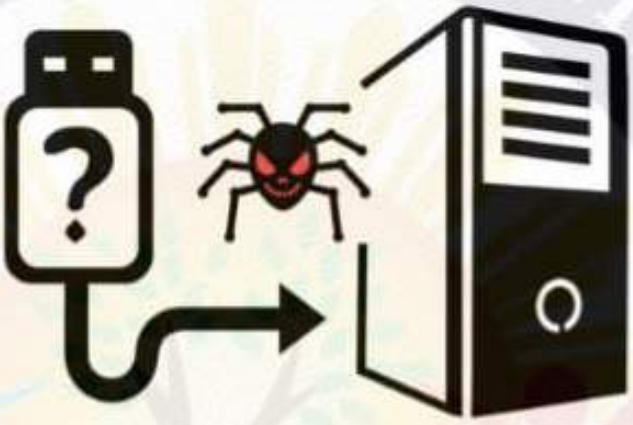

अपने कंप्यूटर में किसी
अपरिचित यूएसबी उपकरण को
न लगाएँ।

शिकायत हेतु :
https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:
https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-let-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en

www.teachersofbihar.org

बालमन पेंटिंग भाग 2

M.s.belagopi, gaighat, Muzaffarpur
art by Raushani kumari

DNMS मकराइन, डेहरी, रोहतास

प्रीति कुमारी,वर्ग 7
UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

शिवम कुमार,कक्षा –२
रा० उ० म० वि० दुदहाँ(सिवान)

रितु कुमारी ,वर्ग ६
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ (कैमूर)

संस्कृत ज्ञान

संस्कृत में सब्जियों के नाम

आलू	आलूक:
प्याज	पलाण्डु:
बैंगन	वृन्ताक:
भिंडी	भिंडिका:
फूल गोभी	गोजिह्वा
करेला	कारवेल्लम्
मटर	कालय:

Punita Kumari

ToB बालमन

पर्यायवाची शब्द

परिभाषा :- जिन शब्दों का समान अर्थ हो, वे 'पर्यायवाची शब्द' या 'समानार्थक शब्द' कहलाते हैं।

धरती - भूमि, पृथ्वी,
धरा, वसुंधरा,
जमीन, अवनी

पानी - जल, नीर
वारि, सलिल
अंबु, तोय

पेड़ - वृक्ष, तरु
पादप, विटप
द्रूम, तरुवर

www.teachersofbihar.org

पुनीता कुमारी

बालमन पेंटिंग

भाग 3

आयुष कुमार,कक्षा-5
रा० उ०म० वि० दुदहाँ, सिवान

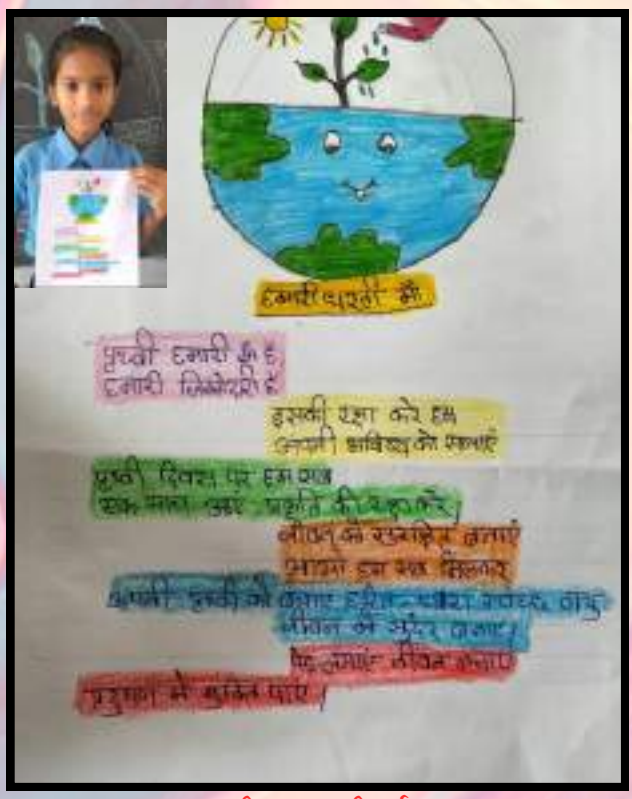

शीतल कुमारी,वर्ग 4
प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ(पटना)

Ums jhitkahiyan rampur
Block n dist vaishali

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, प्रखंड-बरौली
गोपालगंज

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा में आज बच्चों ने विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर पोस्टर्स बनाए।

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ
(पटना)

न्यू प्राथमिक विद्यालय सोनाबो चैनपुर
कैमूर

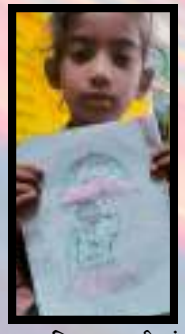

मध्य विद्यालय सूरीगावं
बायसी,पूर्णिया

UMS अर्रा, मोहनियां (कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर, मोहनिया
कैमूर

बालमन कविता

मेरी मां

टीचर जी ने पूछा
कहां रहती हो तुम
मैंने झट कह दिया
मां के दिल में

इंसान ही नहीं
वह शब्द हर जीव के
जुबान पर रहता है
गाय का बछड़ा भी
पुकारता है
तो मां कहता है।

-- काव्या नंदन कक्षा 9, रेलवे हा. से. स्कूल, लखनऊ

बालमन पेंटिंग

भाग 4

प्राथमिक विद्यालय जगरिया चैनपुर (कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर मोहनिया(कैमूर)

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवदिया चांद (कैमूर)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदा, चांद (कैमूर)

DPN उच्च विद्यालय सुंदरपुर (मुंगेर)

NPS सेमरा,भभुआ(कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय धोबी टोला तिरसकुंड(अररिया)

हँसी के हसगुल्ले

चीकू- अरे ये लोग बार-बार बॉल को लात क्यों मार रहे हैं?

मीकू- अरे वे सभी गोल कर रहे हैं .

चीकू- बॉल तो पहले से गोल है और कितना गोल करेंगे...

रिंकी- मेरे पास गाड़ी है, बंगला है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है...?

पिंकी - मेरे पास 20 साल पहले अपनी शादी में सिलवाया हुआ सूट है, जो अभी तक मुझे फिट आता है।

परेशानी का कोई पैमाना नहीं होता है.. कुछ लोग तो यह सोचकर परेशान रहते हैं कि सामने वाला मोबाइल में दिनभर करता क्या है..?

बालमन पेंटिंग भाग 5

सान्या खातून,कक्षा 8
मध्य विद्यालय दीननगर, जगदीशपुर, भागलपुर

अंकिता कुमारी,वर्ग 4
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोगा झिंगोई (जमुई)

बालमन कहानी

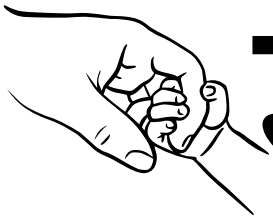

माँ

मैं अपने मां- बाबा के साथ तिलक नगर में रहता था। मुझे याद है तब मैं कक्षा 5 में पढ़ता था। जब भी स्कूल की छुट्टियां होती तो में मां से मजेदार खाना बनाने की जिद करता। कभी पकौड़े, तो कभी सैंडविच तो कभी खीर, तो कभी कुछ। संडे के दिन कभी बाबा से बाजार से जलेबियां मंगाता और खूब मजे से खाता। यदि कभी मां मेरी पसंद की चीजें नहीं बनाती तो उससे झूठ- मूठ का नाराज होता। सोते समय सपने में जब कभी मिठाइयां, समोसे और चटपटे गोलगप्पे देखता तो मारे खुशी के फूला नहीं समाता।

एक दिन मेरे चाचा जी मुझे घर बहुत दूर कहीं एक शादी में सम्मिलित होने के लिए ले गए। मैं पहली बार अपनी मां के बिना अकेले कहीं रुका था। दूसरे दिन शादी का समारोह था। खूब अच्छी डेकोरेशन थी। पार्टी में खाने में मेरे मन अच्छे लगने वाले ढेरों सारे व्यंजन चारों तरफ रखे थे। काले ओर सफेद खुशबूदार रसगुल्ले, जलेबी, रसदार इमरती, गाजर का गर्मागर्म हलवा, पूड़ी - कचौड़ी और लाल- हरे के रंग- बिरंगे शरबत, आइस्क्रीम और न जाने क्या- क्या। ये सबकुछ चीजें मेरे बहुत नजदीक थीं, जिन्हें मैं हमेशा ही खाने की इच्छा रखता था। लेकिन फिर भी मेरा मन उदास- उदास सा था ।क्योंकि उस समय मेरे पास मां नहीं थी।

- शरद कुमार वर्मा (शिक्षक)
रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल चारबाग
लखनऊ(उत्तर प्रदेश)

बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

म ०वि०सुरीगाँव बायसी,पूर्णियाँ

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ पटना

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर (कैमूर)

साहू जैन मध्य विद्यालय डालमियानगर,डेहरी रोहतास

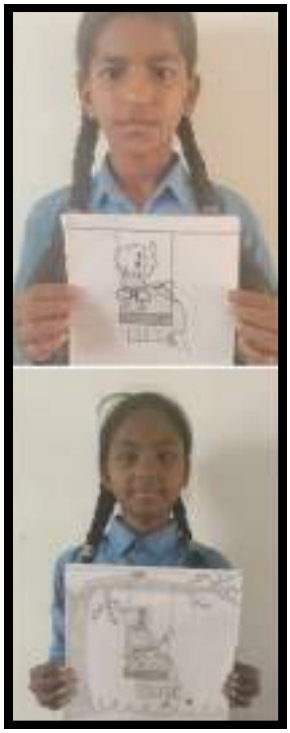

रा० उ० म० वि० दुदहाँ (सिवान)

Ums jhitkahiyan rampur Block n dist vaishali

रोचक गणित

गणित के जनक

• भारतीय गणित के जनक एक प्रसिद्ध गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट को माना जाता है।

• रेखा गणित या ज्यामिति के जनक यूनानी गणितज्ञ एवम खगोलशास्त्री यूक्लिड (Euclid) को माना जाता है।

• क्षेत्रमिति के जनक यूनानी गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री यूक्लिड (Euclid) को माना जाता है।

• त्रिकोणमिति के जनक यूनानी गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री हिप्पार्कस (Hipparchus) को माना जाता है।

• बीजगणित के जनक फ़ारसी गणितज्ञ और खगोलशास्त्री मुहम्मद इब्न मूसा अल-ख़्वारिज्मी को माना जाता है।

• अंकगणित के जनक महान भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री ब्रह्मगुप्त को माना जाता है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
UHS कोटा, नुआंव(कैमूर) बिहार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

भाग 1

मध्य विद्यालय अरिहाना, आजमनगर (कटिहार)

मध्य विद्यालय बखरी, खरकट्टा (कटिहार)

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, बरौली (गोपालगंज)

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर (पटना)

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर मोहनिया(कैमूर)

रा० उ० मध्य विद्यालय सेनुअरिया चनपटिया पश्चिमी चम्पारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर

UMS दुघरा, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर कैमूर

मई 2025

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

भाग 2

मध्य विद्यालय अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

प्रा ०वि ० महेशपट्टी पूरब,नरपतगंज (अररिया)

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा, समेली, कटिहार मे सुरक्षित शनिवार के तहत लू से ख़तरे एवं बचाव के संदर्भ मे जानकारी दी गई।

CLASS 4
EVS

माह - मई

खेत से घर तक

* हमारे आस-पास बहुत सारे खेत हैं।
* उसमें धान, गेहूं, दलहन, तिलहन, सब्जियां आदि बोई जाती है।
* फसल अच्छी हो इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।
* सबसे पहले फसल बोने के लिए खेत की जुताई करनी पड़ती है, फिर बुवाई, निराई-गुड़ाई, और समय-समय पर पानी देना होता है।
* कुछ अनाज जाड़े में बोए जाते हैं और गर्मी में काटे जाते है और कुछ गर्मी में बोए जाते हैं और सर्दी में काटे जाते हैं।
* धान, प्याज, मिर्च आदि बोने के पहले उसका बिचड़ा तैयार किया जाता है, फिर तैयार बिचड़े को उखाड़कर खेतों में बराबर-बराबर दूरी पर लगाया जाता है।
* जबकि गेहूं, मक्का, सरसों आदि के बीज सीधे खेतों में लगा दिए जाते है

धान की खेती

सब्जी की खेती

मजदूर दिवस
विशेष

1 May

A.M.S MUSAPUR (KORHA)KATIHAR

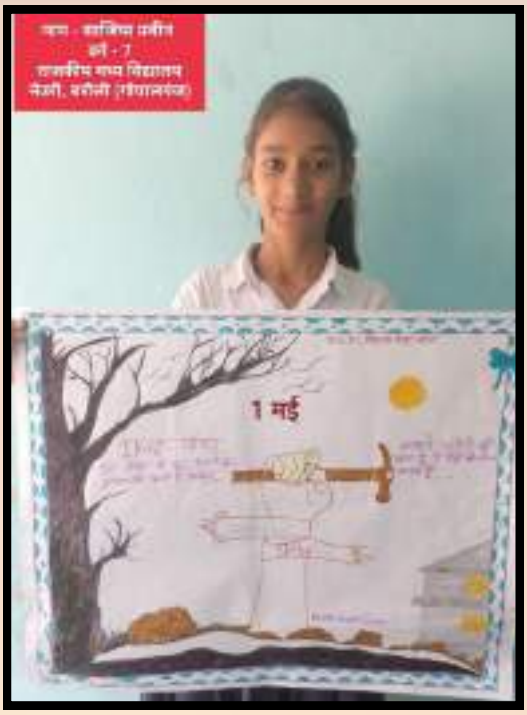

राजकीय मध्य विद्यालय नेऊरी, बरौली गोपालगंज

Anishka Kumari ,Class-6
R.U.M.S.DUDAHAN,SIWAN

प्रा ०वि ० लक्ष्मीपुर, मोहनिया (कैमूर)

प्रा ०वि ०प्रखण्ड कॉलोनी
फुलवारीशरीफ,पटना

P S kharanti khurd paliganj
Patna

Ms Bakhri kharkatta, sameli
katihar

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर
कैमूर

क्या होता है जैवलिन थ्रो?

जैवलिन थ्रो' एक खेल है जो एक लंबी धारीदार जैसे शैली में एक विशेषकर डिज़ाइन किए गए तीर (जैवलिन) को दूर से फेंकने पर आधारित है। यह एक ऑलिम्पिक खेल भी है और अधिकांश देशों में खेला जाता है। जैवलिन थ्रो एक पुरुष और महिला दोनों में प्रतिस्पर्धा के लिए है।

साल 1908 से लंदन में **पुरुषों की जैवलिन थ्रो** यानी भाला फेंक स्पर्धा शुरू होने के बाद से ये **ओलंपिक का हिस्सा** बन गया।

जैवलिन थ्रो के नियम

वजन और लंबाई

पुरुषों के लिए, जैवलिन का **वजन 800 ग्राम लंबाई 2.67 मीटर।**

महिलाओं के लिए **वजन 600 ग्राम और लंबाई 2.28 मीटर।**

क्षेत्र की सीमाएं

जैवलिन फेंकने के लिए एक क्षेत्र होता है जिसमें एक रेखा होती है जिसे **रनअप रेखा** कहा जाता है। फेंक की जगह को निश्चित करने के लिए एक लक्ष्य लाइन होती है जिसे **अच्छूति रेखा** कहा जाता है।

फेंक की तकनीक

फेंक को ध्यान से करने के लिए कुछ तकनीकी निर्देश होते हैं, जैसे कि **स्पिन, ग्रिप, और रनअप की अच्छूति।**

गेम के निगमन

फेंक के बाद, जैवलिन की छड़ी को कहीं ना लगने पर एक **निगमन रेखा** होती है। इससे यह पता लगता है कि किसने कितना दूर फेंका है और इसके आधार पर **प्रतियोगिता में स्थान** तय किया जाता है।

जैवलिन थ्रो का स्कोरिंग सिस्टम

जैवलिन थ्रो में स्कोर का पता **थ्रो आर्क** के **केंद्र बिंदु** के अंदर के किनारे तक मार्कर की एक **सीधी रेखा** में दूरी को मापा जाता है। माप को निकटतम **सेमी** तक मापा जाता है।

गोल्डन बॉय का करियर और रिकॉर्ड

- 2018 के एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीता।
- 2021 के टोक्यो ओलंपिक्स में गोल्ड मेडल जीता।
- वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 में सिल्वर मेडल जीता।

करियर में कई बार विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें विश्व चैम्पियनशिप्स भी शामिल हैं।

कई उपलब्धियों के साथ नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी स्थापित किया है।

दर्शनीय स्थल

हरिहरनाथ मन्दिर (सोनपुर मेला)

कुमार राकेश मणि

बिहार के हाजीपुर से पांच किलोमीटर की दूरी पर सारण जिले में स्थित सोनपुर में हरिहरनाथ बहुत प्राचीन मंदिर है । कहते हैं कि मंदिर का निर्माण श्रीराम ने सीता स्वयंवर में जाते समय किया था। देश का एकमात्र ऐसा मंदिर जहां मंदिर के गर्भगृह में एक ही शिवलिंग में भगवान विष्णु और भगवान भोलेनाथ दोनों एक साथ विराजित है। हरि का मतलब विष्णु और हर का मतलब महादेव इसलिए इस मंदिर को हरिहरनाथ के नाम से जनक जाता है और यह मंदिर वैष्णव और शैव दोनों संप्रदायों के लिए खास है । कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर गंगा-गंडक के संगम स्थल यानी हाजीपुर सोनपुर में स्थित हरिहर क्षेत्र में गंडक नदी के किनारे लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्नान करते हैं । सावन में भी भक्तों की काफी भीड़ होती है।

सोनपुर में विश्व प्रसिद्ध पशु मेला लगता है। यह मेला कार्तिक पूर्णिमा के दिन शुरू होकर एक महीने तक चलता है । मान्यता है कि इस पशु मेले से पशु खरीदना काफी शुभ माना जाता है। इस मेले के पीछे एक कथा प्रचलित है कि एक बार हाथी और मगरमच्छ के बीच युद्ध हुआ था । इस युद्ध को भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र चलाकर खत्म किया था। सोनपुर मेला, जिसे हरिहर क्षेत्र मेला या छत्तर मेला भी कहा जाता है, एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है ।

गंगा - गंडक के संगम में डुबकी लगाकर दो देवता की एक साथ मूर्ति की पूजा करने एवं विश्व प्रसिद्ध मेला का आनंद लेना है तो नवम्बर माह के कार्तिक पूर्णिमा के दिन या बाद में एक बार अवश्य पहुंचे।

बालमन

रं गो ली

मध्य विद्यालय बेलगोपी, गायघाट
मुजफ्फरपुर

UMS मोहनपुर, कुदरा कैमूर

NPS ढढणिया, भभुआ, कैमूर

बालमन

गुणकारी सब्जी

सहजन

सहजन एक ऐसा पौधा है जिसकी पत्ती, फली, बीज आदि का इस्तेमाल सेहत के लिए किया जाता है। सहजन को मोरिंगा के नाम से भी जाना जाता है। सहजन की सब्जी काफी गुणकारी होती है। इसके फूल, पत्ते, जड़, बीज, तने, छाल और समस्त भागों को भोजन अथवा औषधि के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

सहजन की फली की 100 ग्राम मात्रा का सेवन करने पर 37 kCal (2% डी.वी.) कैलोरीज़, 8.5 ग्राम (3% डी.वी.) कार्बोहाइड्रेट्स, 0.2 ग्राम (1% डी.वी.) फैट्स और 2.1 ग्राम (4% डी.वी.) प्रोटीन हमारे शरीर को प्राप्त हो जाता है। हम सहजन में मौजूद गुणों की बात करें तो इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को कई लाभ पहुंचाने में मददगार हैं। सहजन में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सहजन कोलेस्ट्रॉल के लेवल , डायबिटीज के लेबल को कंट्रोल करने में भी मददगार है। सहजन करीब 300 बीमारियों का अद्भुत दवा है इसलिए आयुर्वेद में इस सहजन को अमृत के समान गुणकारी माना गया है।

" कुमार राकेश मणि "

मदर्स डे स्पेशल

नीतू कुमारी ,कक्षा 7
मध्य विद्यालय पाढ़ी चांद (कैमूर)

वैभव तनमय
प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा, पूर्णिया

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर, मोहनिया(कैमूर)

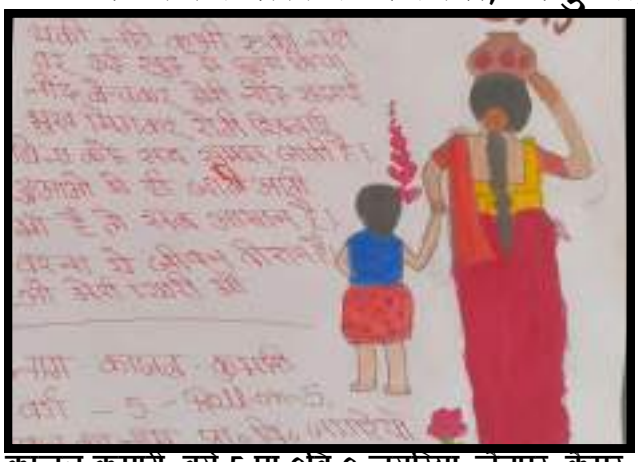

काजल कुमारी, वर्ग ६,प्रा ०वि ० जगरिया, चनपुर, कैमूर

Aayush Kumar ,Class -5
R.U.M.S.DUDAHAN

बालमन कहना जरूरी हैं....

प्राकृतिक आपदा

कुदरत पर भारी पड़ रहा है इंसान। आज इंसान अपने स्वार्थ में इतना अंधा होते जा रहा है कि जिस डाली पर बैठा हुआ है उसी पर कुल्हाड़ी चला रहा है और उसे आभास भी नहीं हो रहा है। तपती दोपहरी , अचानक बेमौसम भयानक आंधी , तूफान , ओलावृष्टि, बाढ़ की विभीषिका, सूखे की मार और न जाने कितनी ऐसी प्राकृतिक घटनाएं हो रही है जिसका जिम्मेदार प्रत्यक्ष रूप से हम हैं। जनसंख्या वृद्धि , शहरीकरण, प्राकृतिक संसाधन का दोहन करने एवं उसके संरक्षण का कोई उपाय नहीं करने , पेड़ पौधों की घटती संख्या , कंक्रीट के महल की अधिकता, औद्योगिकरण ,और न जाने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कितने ऐसे कारण हैं जिसमें हमारी ही भूमिका है और इसका परिणाम भी हम ही भुगत रहे हैं।

पृथ्वी दिवस मनाने, पर्यावरण दिवस मनाने या ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा केवल करने से नहीं बल्कि उसपर अमल करने की जरूरत पड़ेगी। एयरकंडीशन वाले कमरा में बैठकर बनाई गई योजना को बाहर निकलकर लागू करना या एक -एक व्यक्ति को जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्यबोध कराना होगा तब जाकर कुछ राहत मिलने की संभावना है नहीं तो इससे भी भयावह आपदा से लड़ने के लिए हमें तैयार रहना होगा।

कुमार राकेश मणि

विश्व के धरोहर

महाबोधि विहार

महाबोधि विहार भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित, विशेषतः प्रबोधनार्थ हेतु, चार पवित्र स्थानों में से एक है। इस परिसर में सबसे पहला मंदिर तीसरी शताब्दी ई.पूर्व. में सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया था तथा वर्तमान में मौजूद सभी मंदिरों का निर्माणकाल 5वीं या 6वीं शताब्दी के आसपास का है। भारत में गुप्तकाल से आज तक पूर्णतः ईटों से निर्मित यह सबसे प्राचीन बौद्ध मंदिरों में से एक है। महाबोधि मंदिर, बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक, जो बुद्ध के ज्ञानोदय (बोधि) के स्थान को चिह्नित करता है। यह बोधगया (मध्य बिहार राज्य, पूर्वोत्तर भारत) में स्थित है।बिहार की वह पावन धरती है जहां तथागत भगवान बुद्ध ने मानव के दु:खों के कारणों की तलाश की और आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति की। बोधि वृक्ष के नीचे बुद्ध के पौराणिक आध्यात्मिक ज्ञान स्थली पर महाबोधि मंदिर है। महाबोधि मंदिर दुनिया में बौद्ध तीर्थयात्रा का सबसे पवित्र स्थान है। बौद्ध सर्किट मानव कल्याण की दिशा में भगवान बुद्ध के कार्यों की निशानी है।मंदिर के गर्भगृह में बुद्ध की सोने की चित्रित प्रतिमा, पाल राजाओं द्वारा निर्मित काले पत्थर कि प्रतिमा है। यहाँ भगवान बुद्ध को भूमिपुत्र मुद्रा या पृथ्वी को छूने वाले आसन में बैठा हुआ देखा जाता है।महाबोधि मंदिर को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।यह पावन स्थल दुनिया भर के बौद्ध तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है।

इस विश्व धरोहर संपत्ति के परिसर के भीतर और बोधगया में सभी विकासात्मक गतिविधियाँ बिहार सरकार द्वारा तैयार की गई साइट प्रबंधन योजना के नियमों और विनियमों द्वारा निर्देशित होती हैं।

कुमार राकेश मणि

मदर्स डे स्पेशल 2

Art by Raushani kumari
M.S.Belagopi, Gaighat, Muzaffarpur

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर, मोहनिया(कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय जगरियाचैनपुर कैमूर

प्रिया कुमारी, वर्ग 7
UMS अर्रा, मोहनियां कैमूर

QUIZ TIME

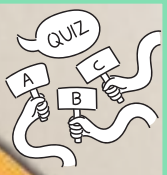

1 भारत का कौन सा शहर चूड़ी के लिए मशहूर है ?

A पटना

B अहमदाबाद

C फिरोजाबाद

सही उत्तर :C

2 किस ग्रह को "पृथ्वी की जुड़वां बहन " भी कहते हैं ?

A बुध

B शुक्र

C मंगल

सही उत्तर :B

3 "लाडोगा" किस महादेश की सबसे बड़ी झील है ?

A यूरोप

B अफ्रीका

C एशिया

सही उत्तर :A

बालमन

तत्व क्रॉसवर्ड

धीरज कुमार

इंग्लिश में तत्व/मेटल का नाम भरे

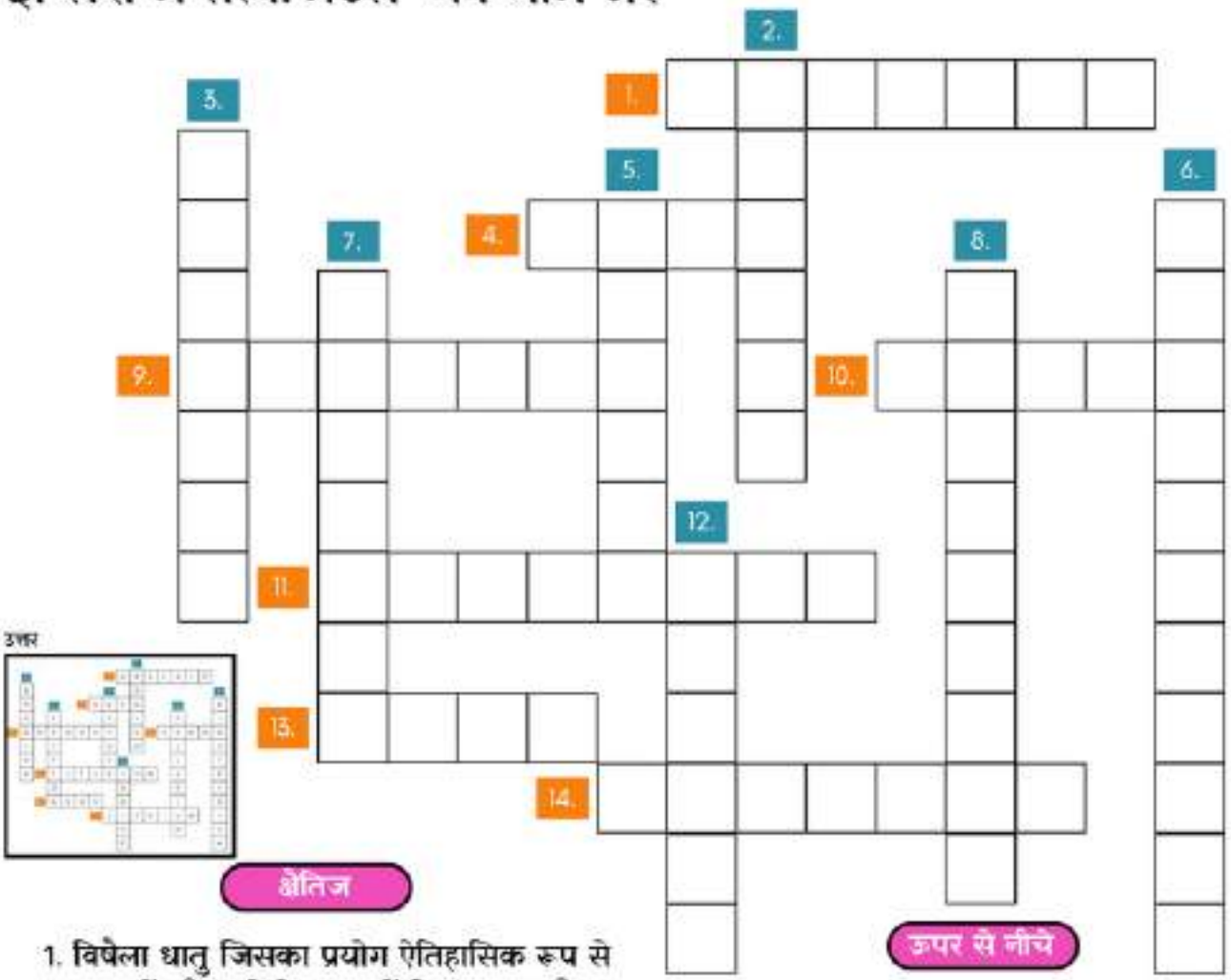

उत्तर

क्षैतिज

1. विषैला धातु जिसका प्रयोग ऐतिहासिक रूप से दवाओं और चूहे के जहर में किया जाता है

4. बहुमूल्य धातु जिसका उपयोग अक्सर आभूषणों में किया जाता है

9. एकमात्र धातु जो कमरे के तापमान पर तरल है

10. रेडियोधर्मी उत्कृष्ट गैस

11. मजबूत और हल्की धातु जिसका उपयोग अक्सर एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में किया जाता है

13. निऑन संकेतों में प्रयुक्त उत्कृष्ट गैस, विशिष्ट लाल-नारंगी रंग से चमकती है

14. सबसे हल्की धातु, अत्यधिक प्रतिक्रियाशील

ऊपर से नीचे

2. मेरी और पियरे क्यूरी द्वारा खोजा गया रेडियोधर्मी तत्व

3. समुद्री जल में पाया जाने वाला हैलोजन

5. श्वसन के लिए आवश्यक गैस, दहन में सहायक और ऑक्साइड बनाती है

6. भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन के नाम पर रेडियोधर्मी तत्व का नाम रखा गया

7. फ्लोरोसेंट लाइट में प्रयुक्त उत्कृष्ट गैस

8. बहुमूल्य धातु जो आमतौर पर उत्प्रेरक कन्वर्टर्स में उपयोग की जाती है

12. थायरॉइड फ़ंक्शन के लिए आवश्यक

बुद्ध पूर्णिमा विशेष

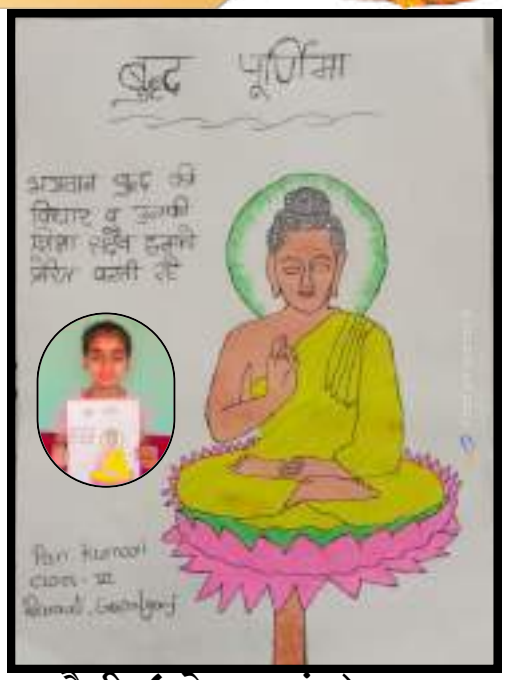

गोलू कुमार,आयेन कुमार और परी कुमारी, बरौली (गोपालगंज)

प्राथमिक विद्यालय बैरागाछी, कुमारीपुर, कटिहार

UMS सिलौटा, कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ, कैमूर

NPS शिवपट्टी, भभुआ, कैमूर

खुशी राज
(पूर्णिया)

आपकी कविता

माँ मईया

जिसके ऑचल में सारी धरती है, समाई,
मॉ ने जन्म देकर हमें संसार में है, लाई ।
खुद गिले में रहकर हमें सूखे में है, सुलाई,
जिसने उगली पकड़कर हमें चलना सिखाई ॥

दिन- दोपहरिया में, अपना ऑचल ओढ़ाई,
ठंडी- ठंडी रातों में, मुझे सीने से चिपकाई ।
मेरे सुख को ही, अपनी खुशी मनाई ,
मेरी एक मुस्कान में , अपनी दुनिया भुलाई ॥

ठोकर लगने पर वह मुझे उठाती,
भूखे रहने पर वह दूध पिलाती ।
सोते वक्त लोरिया सुनाती ,
संसार का सारा सुख मुझ पर लुटाती ॥

जिसने मेरा घर-संसार है, बसाया,
मॉ के चरणों में जन्नत है, समाया ।
पढ़ा- लिखा कर काबिल है, बनाया,
मेरे सर पर रहे , सदैव इनका साया ॥

पास न होता बेटा , मॉ का होता व्याकुल मन,
बच्चों के खातिर किया , पूरा जीवन अर्पण ।
सभी माताओं को 'शशि' का नमन,
स्वीकार करे चरणों में, अर्पित श्रद्धा- सुमन ॥

शशिकांत वर्मा (शिक्षक)
प्राथमिक विद्यालय रामपुर, भभुआ
कैमूर

माई- माई सब कहे, दरद बूझे न कोई।

जे माई के दरद बूझे, सीधे बैकुंठ उ जाए।।१

नौ महीना कोख में, माई देलक पोश।

बुढ़ढ़ियो में माई के, रोटियो न पड़ोस ।।२

अंगूरी पकड़ उ चलाए, सारा जग दिखलाए।
हमरा बारी जब आए, दूरे से भगाए।।३

माई महिमा सब कहे, दुनिया के दिखलाइए।

सच्चा बेटा ओकरा कहे, जे, दुख में मरहम लगाए ।।४

फेसबुक, ट्विटर सब जगह, माई के पोस्ट लगाए।

बेटा मोबाइल खोल के, लाइक, कॉमेंट में, लग जाए।।५

बड़ होलय त का होलय, जैसे पूत कपूत ।

मईया के सेवा नहीं, दूर होथन अयसन पूत ।। ६

माई सेवा जे करे, सब दिन मेवा पाए।

जे माई के दुख देवे, जहन्नम में उ जाए।।७

कौशल किशोर(शिक्षक)
UMS मखदुमपुर, पटना

बूझो तो जानें

संजय कुमार+ धीरज कुमार

पहेली संख्या 1

खुद कभी वह कुछ न खाए,
लेकिन सब को खूब खिलाए ।
जल्दी बूझो प्यारे,क्या वो है कहलाए

उत्तर : शिक्षक

पहेली संख्या 2

एक पैर है काली धोती, जाड़े में
वह हरदम सोती
गर्मी में है छाया देती, सावन में वह हरदम रोती
..बुझो तो जानें ?

उत्तर : छाता

पहेली संख्या 3

दुनिया की सबसे अनमोल रचना।
सारा जग इनमें समाया।
चाहे कितना भी अमीर हो
इनका कर्ज चुका न पाया ।।

उत्तर : माँ

पहेली संख्या 4

माई से मिलता जुलता नाम
बकरी की आवाज से भी कर लो पहचान
फिर भी ना समझे तो
मजदूर दिवस से जानो मेरा नाम।

उत्तर : मई

ब्लैक बोर्ड आर्ट

UHS कोटा, नुआंव (कैमूर)

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

NPS ढढणिया, भभुआ (कैमूर)

मध्य विद्यालय दोसमा ,औरंगाबाद

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर

प्राथमिक विद्यालय
गजपुर रतनी चौक
खानपुर समस्तीपुर

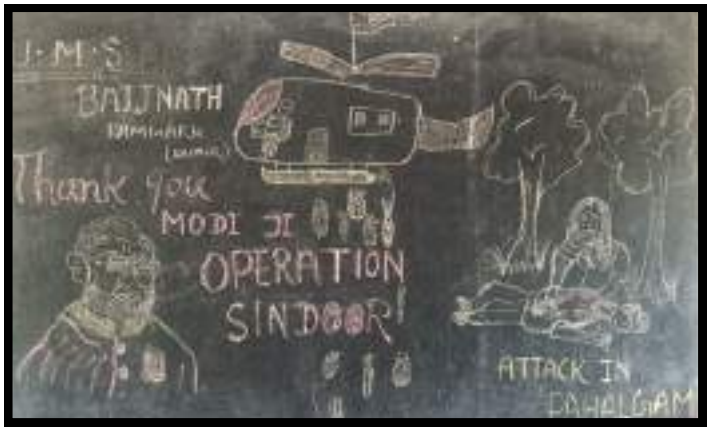

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 बिद्यालय बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

बालमन

बोलती तस्वीरें

Part 1

पुष्पा प्रसाद

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड मुख्यालय कस्बा पूर्णिया (बिहार)

राजकीय प्राथमिक विद्यालय पगना, विकासखंड नंदानगर, जिला चमोली, उत्तराखंड

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

U H S Sakuchi sarai giriyak nalanda

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

विज्ञान कॉर्नर

क्या आप जानते हैं?

मैग्नेशियम के फीते को जलाने से पहले रेगमाल या बालुकागज से साफ क्यों किया जाता है?

बालुकागज

मैग्नेशियम

मैग्नेशियम एक सक्रिय धातु है। यह कमरे के ताप पर ऑक्सीजन से अभिक्रिया करके मैग्नेशियम ऑक्साइड की एक सुरक्षात्मक परत बनाता है जिसके कारण धातु का संक्षारण रुक जाता है और धातु जल नहीं पाता है। यही कारण है कि मैग्नेशियम के फीते को जलाने से पहले रेगमाल या बालुकागज से साफ किया जाता है।

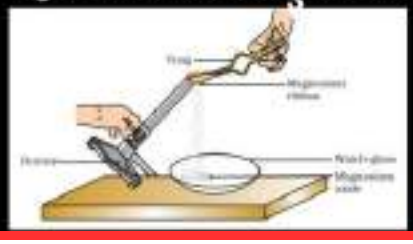

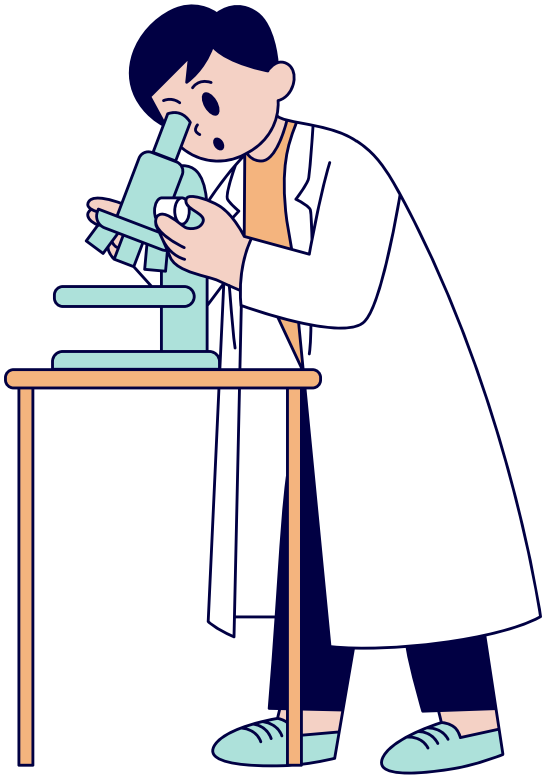

मैग्नेशियम के फीते को जलाने के समय हमें चश्मा क्यों पहनना चाहिए ?

- जब हम प्रयोगशाला में मैग्नेशियम के फीते को जलाते हैं तो इससे बहुत ही चमकदार, सफेद लौ के साथ प्रकाश निकलता है जिसमें पराबैंगनी किरणें भी निकलती है जो हमारी आँखों को नुकसान पहुँचाती है।

फोटोकेराटाइटिस (Photokeratitis)

पराबैंगनी किरणों के निकलने से फोटोकेराटाइटिस हो सकता है। इसमें कॉर्निया में सूजन हो जाता है। आँखों में दर्द, लालिमा और धुंधली दृष्टि हो सकती है।

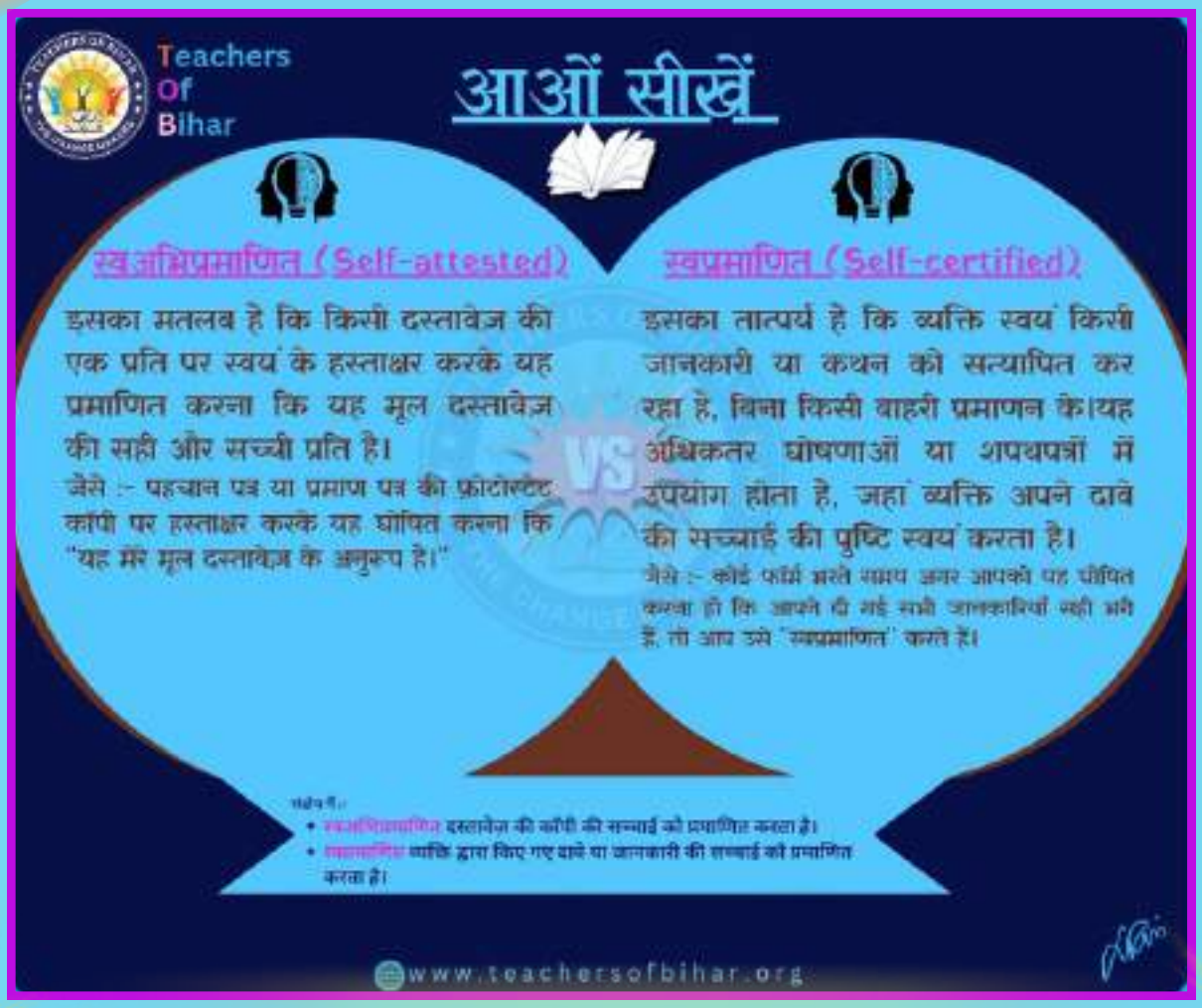
Teachers Of Bihar
आओं सीखें
स्वअभिप्रमाणित (Self-attested)
इसका मतलब है कि किसी दस्तावेज की एक प्रति पर स्वयं के हस्ताक्षर करके यह प्रमाणित करना कि यह मूल दस्तावेज की सही और सच्ची प्रति है।
जैसे :- पहचान पत्र या प्रमाण पत्र की फ़ोटोस्टेट कॉपी पर हस्ताक्षर करके यह घोषित करना कि "यह मेरे मूल दस्तावेज के अनुरूप है।"
VS
स्वप्रमाणित (Self-certified)
इसका तात्पर्य है कि व्यक्ति स्वयं किसी जानकारी या कथन को सत्यापित कर रहा है, बिना किसी बाहरी प्रमाणन के।यह अधिकतर घोषणाओं या शपथपत्रों में उपयोग होता है, जहां व्यक्ति अपने दावे की सच्चाई की पुष्टि स्वयं करता है।
जैसे :- कोई फॉर्म भरते समय अगर आपको यह पुष्टि करना हो कि आपने दी गई सभी जानकारियाँ सही भरी हैं, तो आप उसे 'स्वप्रमाणित' करते हैं।
www.teachersofbihar.org

वैज्ञानिक कारण
बादलों के गर्जन के समय पेड़ के नीचे नहीं खड़ा होना चाहिए, क्यों?
क्योंकि जब अधिक आवेशित बादल वृक्ष के निकट आता है तो वृक्ष के ऊपरी भाग पर शक्तिशाली विजातीय आवेश पैदा करता है। इससे बादल तथा पृथ्वी में वृक्ष के माध्यम से तड़ित विसर्जित होता है।इस कारण वृक्ष को हानि पहुंच सकता है, अथवा आग लग सकती है। अत: हमें बादलों के गर्जन के समय वृक्ष के नीचे खड़ा नहीं होना चाहिए।
यदि मोर के पंख को रगड़कर फैला दिया जाय तो यह एक पंखे का रूप धारण कर लेता है,क्यों?
क्योंकि रगड़ द्वारा मोर पंख के प्रत्येक धागे पर सजातीय आवेश उत्पन्न हो जाता है, सजातीय आवेश एक दूसरे को आकर्षित करते है । अत: यह फैलकर पंखे का रूप धारण कर लेती है।
मधु प्रिया

बालमन

बोलती तस्वीरें

part 2

पुष्पा प्रसाद

मध्य विद्यालय शिवगंज, डेहरी रोहतास

G. M. P. S. Dewal ,Chamoli (Uttarakhand)

मध्य विद्यालय अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

राजकीय मध्य विद्यालय तेतरिया (पूर्वी चंपारण)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय रतवार, भभुआ(कैमूर)

तारों के रूप में नन्हे सितारे
मध्य विद्यालय सिमराहा, फारबिसगंज (अररिया)

अतीत के पन्नों से

10 मई 1857
की क्रांति

10 मई 1857 को भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम का आगाज़ हुआ। इस क्राति को चिंगारी तब लगी जब एक सैन्य विद्रोह के रुप में मार्च 1857 को मंगल पाडे ने बैरकपुर छावनी में ईस्ट इंडिया के अंग्रेज अफसर पर गोली चलाई और मंगल पाडे के साथ कई सिपाहियों ने गाय की चर्बी युक्त कारतूस को मुंह से काटने से मना कर दिया था। इस सैनिक विद्रोह के बाद मंगल पाडे को फांसी की सजा दे दी गई। पहले स्वतंत्रता संग्राम का आरंभ मेरठ से हुआ। जो धीरे-धीरे कानपुर, झांसी, बरेली, दिल्ली, अवध समेत कई स्थान पर फैल गया। शुरुआत में मेरठ से सैन्य टुकड़ी दिल्ली के लिए रवाना हुई और दिल्ली के दूसरी सैन्य टुकड़ी के साथ मिलकर मुग़ल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र को अंग्रेजों से लड़ने के लिए अपना शासक घोषित किया।

पुनीता कुमारी

बालमन

बोलती तस्वीरें

Part 3

पुष्पा प्रसाद

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा नगर , जिला भोजपुर(बिहार)

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

मध्य विद्यालय पिस्ता, जगदीशपुर भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय धोबी टोला तिरसकुंड अररिया

प्राथमिक विद्यालय छुरछुरिया, फारबिसगंज(अररिया)

प्राथमिक विद्यालय रामसंग , हरनौत (नालंदा)

शिक्षा शब्दकोश

प्रत्यक्ष अनुभव

प्रत्यक्ष अनुभव का अर्थ होता है कि कोई चीज प्रत्यक्ष रूप से देखी, सुनी, या महसूस की जाए। यह एक ऐसा अनुभव है जो इंद्रियों के माध्यम से सीधे प्राप्त होता है। उदाहरण के लिए, आप किसी वस्तु को सीधे देखकर, किसी आवाज को सीधे सुनकर या किसी चीज को सीधे छूकर प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं।

बालमन

बोलती तस्वीरें

Part 4

पुष्पा प्रसाद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा मोहनियां(कैमूर)

मध्य विद्यालय बिठला,परबत्ता(खगड़िया)

UHS आदर्श नुवांव दुर्गावती, कैमूर

G. M. P. S. Dewal ,Chamoli (Uttarakhand)

UHS कोटा ,नुआंव (कैमूर)

राजकीय प्राथमिक विद्यालय पगना, विकासखंडनंदानगर, जिला चमोली, उत्तराखंड

अपनी बात आपके साथ

व्यस्तता भी जरूरी है

वर्तमान समय में व्यस्त होना सम्मान का प्रतीक माना जाता है। अगर आप खाली बैठे हैं तो आप खुद ही परेशान होंगे कि आप खाली क्यों हैं? 'खाली दिमाग शैतान का घर' एक पुरानी कहावत भी है। इसीलिए व्यस्त रहना जिंदगी में बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर हम व्यस्त नहीं हैं तो लोग हमारा मजाक उड़ाते है, नाजायज फायदा उठाने का प्रयास करते हैं। जिंदगी में क्या करना है? हम सोचे और विचार करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से प्रयत्न करते हुए आगे बढ़ते रहें। आजकल लोग दूसरों को देखकर कोई काम करते हैं, लेकिन यह हमेशा के लिए उचित नहीं है। अगर हम खाली बैठे हैं तो कुछ ना कुछ गलत भी कर सकते हैं या हमारे अंदर गलत भाव या विचार आ सकते हैं। आजकल तो व्यक्ति ज्यादा झगड़ालू होता जा रहा है। समाज भी उसी को इज्जत के साथ अपने पास रहने देता है जो ससमय अपना कार्य समाप्त करते हैं, तथा किसी अर्थपूर्ण कार्य में व्यस्त रहते हैं, उनके पास न तो लड़ने का वक्त है ना झगड़ने का। लोग ऐसे व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते है जो अनावश्यक कार्यों में संलग्न रहते है।

सोचने की बात तो यह भी है जब लोग हमसे दूर रहते हैं, तब हमारे पास समय और मौका होता है अपने आप को इंसान बनाने के साथ-साथ महान बनाने का। हम अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दे सकते हैं, सीखना या सिखाना भी मन लगाकर कर सकते है। चिंतन और मनन भी कर सकते हैं। हम अपने बारे में यह सोचकर कि आप समाज में किस स्तर पर हैं, अपने स्तर का सुधार कर सकते हैं और सुख सुविधाओं की वस्तुओं को प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं, क्योंकि हम खुद में व्यस्त हैं इसीलिए हम खुद का विकास अन्य की अपेक्षा तीव्र गति से कर सकते हैं। इतिहास में महात्मा बुद्ध हों या महावीर स्वामी या फिर स्वामी विवेकानंद या डॉ भीमराव अंबेडकर, प्रत्येक महान पुरुष प्रारंभ में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चिंतन करने,ध्यान करने या तपस्या करने आदि कार्य में व्यस्त रहा है। कड़ी मेहनत के बाद ही उसे सफलता मिली है। तभी उसने इस समाज में इतनी बड़ी-बड़ी उपलब्धियां और महानता हासिल की है। वास्तविक जिंदगी में हम व्यस्त रहते हैं तो कुछ भी कर सकते हैं। हमारे लिए असफलता और नामुकिन जैसे शब्द का कोई अर्थ नहीं रहता इसलिए शिक्षित होने के साथ -साथ व्यस्त रहने का प्रयास करना चाहिए और इस पर चिंतन और मनन जरूर करें।

कुमारी नीलम(शिक्षिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां, कैमूर (बिहार)

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
अर्रा, मोहनियां (कैमूर)

मध्य विद्यालय सिमराहा
फारबिसगंज (अररिया)

NPS खुटौना यादव टोला
पताही, पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय
सैनो,जगदीशपुर
भागलपुर

मध्य विद्यालय
लखपुरा
(बालक),
प्रखंड- बाराहाट,
जिला- बांका

बालमन विशेष

मातृ दिवस

मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाहित है। वह बच्चे की पहली गुरु होती है, जो उसे इस दुनिया में आने से पहले ही जीवन जीने के पाठ सिखाती है। मां की ममता, त्याग, प्रेम और बलिदान की किसी चीज से तुलना ही नहीं की जा सकती। मां का स्थान ईश्वर से भी ऊपर है। हमारी पुराणों-ग्रंथों में मां के रूप को विशेष स्थान दिया गया है। मां एक बच्चे के जीवन में मार्गदर्शक, सहेली और प्रेरणास्त्रोत की भूमिका निभाती है। इसी अनमोल रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर साल मई माह के दूसरे रविवार को 'मदर्स डे' मनाया जाता है। साथ ही यह दिन माताओं के प्रति आभार और प्रेम प्रकट करने का विशेष अवसर है। भारत में इसे कस्तुरबा गांधी के सम्मान में मनाए जाने की परंपरा है।

मदर्स डे की शुरुआत अमेरिका से हुई। एना जार्विस नामक महिला ने अपनी मां की स्मृति में यह दिन शुरू किया। एना की मां एक समाजसेविका थीं और उन्होंने महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए काफी कार्य किए थे। एना ने 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया और 1914 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने इसे राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। इसके बाद यह दिन दुनिया के कई देशों में मनाया जाने लगा।

मातृदिवस दुनिया में दो अलग अलग दिन मनाया जाता है जैसे भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाते हैं, जबकि यूनाइटेड किंगडम, कोस्टा रिका, जॉर्जिया, समोआ और थाईलैंड में ईस्टर संडे से तीन सप्ताह पहले मदर्स डे मनाया जाता है।

कुमार राकेश मणि

बालमन कविता

मेरी प्यारी चींटी

मेरी प्यारी छोटी सी चींटी,
दौड़ती है ये दिन-रात।
रूकती -थकती नहीं है,
मेहनत में देती है ख़ूब साथ।

मेहनत इसकी बड़ी ताकत है,
इसमें वफादारी का है ख़ूब गुण।
सबकी खिदमत में रहती हैं,
नहीं है इसमें कोई अवगुण।

मीठी चीजे ख़ूब इन्हें भाती,
घर-परिवार में तकलीफें देती।
नन्ही सी पर ये खूब बहादुर,
सबकी खिदमत में रहती तैयार।
घर आंगन की शोभा बनकर,
सबकी खुशियां रखती संवार।

डॉ० अशोक
पटना (बिहार)

बालमन

मदर्स डे स्पेशल

भारत माता

सरहद पर हमारे देश के जवान अपनी 'भारत माता' की रक्षा के लिए जान की परवाह ना करते हुए दुश्मनों का डटकर सामना कर रहे हैं। हिंदुस्तान की धरती का बाल भी बांका ना हो इसलिए हमारे सैनिक पूरे तन-मन के साथ बार्डर पर शत्रुओं के छक्के छुड़ा रहे हैं।

हिंदुस्तान ने एक नहीं कई बार ये साबित किया है कि 'भारत माता' की ओर जो भी गलत निगाहों से देखेगा उसकी खैर नहीं।इस महीने मदर्स डे' है यानी मां के सम्मान का दिन।

मां का दर्जा तो भगवान से भी बड़ा माना गया है, तो इस पावन दिन पर जानते हैं 'भारत माता' के बारे में कुछ खास बातें...

भारत माता मन्दिर, वाराणसी

यह मंदिर 1936 में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा बनवाया गया था और ये भारत का पहला भारत माता का मंदिर है, जिसका उद्घाटन महात्मा गांधी ने किया था। इस मंदिर में भारत माता की कोई मूर्ति नहीं है, बल्कि यहां पर देश का उभरा हुआ त्रिविमीय नक्शा है, जो कि संगमरमर पर अंकित है।

भारत माता मन्दिर, हरिद्वार

यह मंदिर 1983 में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि द्वारा स्थापित किया गया था। इस मंदिर में कई स्वतंत्रता सेनानियों, ऋषियों, संतों और देवियों की मूर्तियां भी भारत माता की मूर्ति के साथ नजर आती हैं।

भारत माता का मन्दिर, कोलकाता

यह मंदिर कोलकाता के माइकल नगर में स्थित है। यहाँ भारत माता को "जगत्तारिणी दुर्गा" के रूप में पूजा जाता है। इसका उद्घाटन 19 अक्टूबर, 2015 में तत्कालीन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी द्वारा किया गया था।

भारत माता का मंदिर, कुरुक्षेत्र

जुलाई 2019 में, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भारत माता के मंदिर के निर्माण के लिए "भारत माता ट्रस्ट" को महाभारत-युगीन ज्योतिसर तीर्थ के पास 5 एकड़ जमीन दी थी।

28 MAY

WORLD MENSTRUAL HYGIENE DAY 2025

महावारी आना बताता है कि आप स्वस्थ है।

प्रत्येक 4 से 6 घंटों में पैड को बदले।

अपने हाथों को पहले और बाद जरूर धोएं

एक दूसरे की सहायता करे।

महावारी से संबधित सही जानकारी,बदलेगी दुनिया सारी

Priya

U.M.S.AURAHI GAMHARIYA(MADHEPURA)

बालमन कहानी

आलसी चीकू

एक झोपड़ी में लाली (मुर्गी) अपने तीन बच्चों के साथ रहती थी ।वहीं एक बरगद का पेड़ था,जिस पर एक बंदर(चीकू) रहा करता था । वह बहुत ही आलसी था, कुछ भी काम नहीं करता दूसरों के घर के बने भोजन चुपके से खा लिया करता था। जब वहां के जानवरों ने उसे देखा तो उसे पीट-पीट कर वहां से भगा दिया था ।इधर लाली अपने बच्चों के लिए भोजन तैयार कर रही थी, चीकू सब देख रहा था। लाली भोजन बनाकर अपने काम पर चली गई ,बच्चे भी स्कूल चले गए। इसी बीच चीकू आया और सारा भोजन चट कर गया। लाली और उसके बच्चे जब अपने- अपने काम से वापस आए तो देखा कि भोजन गायब है तो वह सोचने लगी शायद मेरे घर का दरवाजा बच्चों ने खुला छोड़ दिया होगा, इसलिए किसी ने भोजन खा लिया होगा। पुनः उसने भोजन तैयार करना शुरू किया काफी समय लग गया बच्चे भी भूख के मारे बेचैन हो रहे थे । इधर चीकू बहुत खुश था भोजन खाकर । दूसरे दिन भी लाली भोजन बनाकर अपने बच्चों के साथ अपने-अपने काम पर चली गई फिर जब घर आई तो देखा कि भोजन आज फिर गायब है। चीकू का यह क्रम अब लगातार चलता रहा । चीकू बहुत खुश था उसे लगा कि उसने बहुत बड़ा खजाना प्राप्त कर लिया है। वह अब आराम से देर से सो कर उठता और उसे बना बनाया भोजन मिल ही जाता। इधर लाली बहुत परेशान रहने लगी क्योंकि उसके बच्चे भूखे रहने लगे थे। लाली को लगा कि उसे पता लगाना ही होगा कि कौन उसके घर आकर सारा भोजन खा जाता है, इसके लिए उसने एक प्लान बनाया आज जब वह भोजन बना रही थी तो उसमें बहुत सारा उसने मिर्ची का पाउडर डाल दिया और खाना बनाकर रोज की तरह अपने बच्चों के साथ निकल पड़ी। पुनः चुपके से पीछे के दरवाजे से फिर वापस आ गई । चीकू को लगा कि वह जा चुकी है , तो वह घर के अंदर आ गया । जैसे ही उसने भोजन चखा तो वह जोर -जोर से चिल्लाने लगा पानी- पानी - पानी कारण भोजन बहुत तीखा था। तभी लाली और उसके बच्चे उसे पकड़ लिए । पहले उसे पानी और कुछ मीठा दिया गया । अब चीकू को थोड़ी राहत हुई थी।उसे अपनी ग़लती का एहसास हुआ। लाली के छोटे-छोटे बच्चों को देखकर उसे दया आ गई।उसने लाली से माफी मांगी और कहा कि मैं दोबारा ऐसा काम नहीं करूंगा। मैं बहुत आलसी हूं, मुझे काम करने का मन नहीं करता इसलिए तुम्हारे यहां का भोजन खा लेता था और तुम्हारे बच्चे भूखे रह जाते थे,पर अब मैं काम भी करूंगा और खुद के लिए भोजन भी तैयार करूंगा । लाली ने उसे माफ़ कर दिया। अब वह लाली का दोस्त बन चुका था।

लवली कुमारी(शिक्षिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अनूपनगर,बारसोई(कटिहार)

लू को चेतावनी और चमकी को धमकी

आईए एक पेड़ लगाएं ।

बालमन

वर्ष 2025 के प्रथम चार महीनों की पत्रिका को पढ़ने के लिए पत्रिका पर क्लिक करें।

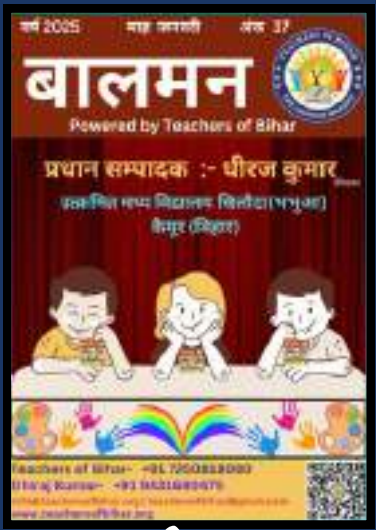

जनवरी 2025

फरवरी 2025

मार्च 2025

अप्रैल 2025

आप टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका से जुड़ कर बच्चों की प्रतिभा को एक आयाम देना चाहते हैं तो जरूर संपर्क करे ।

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar- +917250818080

Dhiraj Kumar- +91 9431680675

Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।